Sr. No. 199402 Your Roll No……...

M.A. / IV-SEM
SANSKRIT – Paper I-402
भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास
(History of Indian Astrology)

Time – 3 Hours Max. Marks – 70

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर **संस्कृत** अथवा **हिन्दी** अथवा **अंग्रेजी** किसी एक भाषा में दीजिए |

Unless otherwise required in a question, answers should be written either in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English**.

1. निम्नलिखित में से किसी **एक** की समीक्षा कीजिए : 10
Critically examine any **one** of the following :

   i. भारतीय ज्योतिषशास्त्र का विकासक्रम |
   Development of Bhāratīya Jyotiṣaśāstra.

   ii. ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता और वैज्ञानिकता |
   Importance and scientific of Jyotiṣaśāstra

2. भारतीय ज्योतिषशास्त्र के अनुसार युग की विवेचना कीजिए | 10
Discuss Yuga according to Bhāratīya Jyotiṣaśāstra .

अथवा /OR

ज्योतिषशास्त्र में वर्णित ग्रह तथा राशि की विवेचना कीजिए |
Discuss Graha and Rāśi as described in Jyotiṣaśāstra .

3. शकुनशास्त्र की विविध शाखा**ओं** की विवेचना कीजिए | 10
Discuss the different branches of Śakunaśāstra .

अथवा / OR

रमलशास्त्र का विस्तारपूर्वक वर्णन करें |
Discuss Ramalaśāstra in detail.

4. भास्कराचार्य **अथवा** आर्यभट प्रथम के व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व का निरूपण कीजिए | 10
Discuss the personality and works of Bhāskarācārya **OR** Āryabhata-I.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर परिचयात्मक टिप्पणी लिखिए : 8×2 = 16
Write introductory notes on any **two** of the following:

   i. मुंजाल
   ii. वास्तुशास्त्र
   iii. ज्योतिषशास्त्र का वेदाङ्गत्व
   iv. विषुवदिन

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर **संस्कृत** में टिप्पणी लिखिए : 7
Write a note on any **one** of the following in **Sanskrit**:

i. त्रिस्कन्धज्योतिषविचारः
ii. पञ्चाङ्गविचारः

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** की परिभाषा प्रतिपादित कीजिए : 7
Give definition any **one** of the following:

i. उत्तरगोल
ii. सौरमास